www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा...
3 पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण...
4 हरियाणा 'सुपर 100' प्रतियोगी परीक्षा का...

वर्ष: 9 | अंक: 204 | दिल्ली, सोमवार, 19 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर सोमवार को तीन देशों की यात्रा पर जायेंगे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर सोमवार को नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। इस दौरान वह सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के निरंतर समर्थन के मुद्दे को उठा सकते हैं। भारतीय और पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के बीच चार दिन तक चली सैन्य झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली विदेश यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर तीनों देशों के नेतृत्व से मिलेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों तथा आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर चर्चा करेंगे। उम्मीद है कि जयशंकर तीनों देशों के अपने समकक्षों को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने संबंधी भारत के फैसले से भी अवगत कराएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने सात मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ढांचों को नष्ट कर दिया था। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। चार दिन के टकराव के बाद 10 मई को दोनों पक्षों के बीच संघर्ष रोके जाने परसहमति बनी थी।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में फैक्टरी में आग लगने से आठ लोगों की मौत

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार को एक फैक्टरी में भीषण आग लग जाने के कारण तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोलापुर एमआईडीसी के अक्कलकोट रोड पर स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में तड़के करीब 3:45 बजे आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट लग रहा है। घटनास्थल मुंबई से तकरीबन 400 किलोमीटर की दूरी पर है। मृतकों में फैक्टरी मालिक हाजी उस्मान हसनभाई मंसूरी, उनके डेढ़ वर्षीय पोते सहित परिवार के तीन सदस्य और चार श्रमिक शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आग इतनी भीषण थी कि दमकल कर्मियों को इसकी लपटों पर काबू पाने में पांच से छह घंटे का वक्त लगा।

आंध्र के मंत्री नारा लोकेश ने मोदी से मुलाकात की

आंध्र प्रदेश (एजेन्सी)। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने अपने परिवार के साथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने युवगलम की पहली प्रति का अनावरण किया। यह एक कॉफी-टेबल बुक है, जिसमें 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले आंध्र प्रदेश में लोकेश की 3,132 किलोमीटर की पदयात्रा का वर्णन है। मोदी ने पुस्तक की एक प्रति पर हस्ताक्षर कर उसे लोकेश को भेंट किया तथा लोकेश की पत्नी ब्रह्माणी और पुत्र देवांश को अपना आशीर्वाद दिया। बयान के अनुसार लोकेश ने विकसित भारत 2047 विजन में आंध्र प्रदेश के योगदान को लेकर प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन मांगा और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा विकास में उनके नेतृत्व के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

एनसीसी अभियान दल द्वारा माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की झलकियां। (स्रोत: पीआईबी)

अमित शाह ने अहमदाबाद नगर निगम के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया

संजना भारती/पीआईबी

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद, गुजरात में अहमदाबाद नगर निगम के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में देश की जनता से वादा किया था कि आतंकवादियों के ठिकानों को मिट्टी में मिलाने का काम भारतीय सेना करेगी। कुछ ही दिनों में प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, सेना के पराक्रम, हमारी खुफिया एजेन्सियों की सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता ने पाकिस्तान के आतंकवादियों के नौ ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। उन्होंने कहा कि पहले सर्जिकल स्ट्राइक, फिर एयरस्ट्राइक और हमारे देश की महिलाओं के माथे से सिंदूर मिटाने वाले आतंकवादियों का खात्मा कर मोदी सरकार ने आतंकियों को करारा जवाब दिया है। श्री शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने कई प्रकार की समस्याओं का एकसाथ जवाब दे दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पूरी दुनिया से कहता था कि उसके यहां कोई आतंकवादी और आतंकी गतिविधि नहीं है। लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारी मिसाइल वहां गिरी और आतंकवादियों का सफाया हुआ, तब पाकिस्तान पूरी दुनिया के सामने एक्सपोज हो गया।

दिल्ली में 'विशाल तिरंगा यात्रा' का आयोजन, ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता को समर्पित

हमें अपनी वीर सेना पर गर्व है, जिसका पराक्रम विश्व में गूँज रहा है-कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की निर्णायक जीत एवं भारत की सैन्य शक्ति के वैश्विक परचम को सम्मानित करने के क्रम में दिल्ली के खजूरी चौक से सिग्नेचर ब्रिज तक 'विशाल तिरंगा यात्रा' निकाली गई। इस विशेष आयोजन के अवसर पर कला-संस्कृति-पर्यटन मंत्री एवं करावल नगर के विधायक श्री कपिल मिश्रा उपस्थित रहे। पूरा वातावरण भारत माता और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ देशभक्ति के रंग में सराबोर था।

इस राष्ट्रव्यापी यात्रा का मुख्य उद्देश्य हाल ही में सफल हुए ऑपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाना है। यह तिरंगा यात्रा उस ऐतिहासिक सम्मान का प्रतीक है, जब विश्व इतिहास में पहली बार किसी परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी देश के घर में घुसकर प्रहार किया गया। मात्र 90 मिनट में पाकिस्तान के 11 एयरबेस ध्वस्त किए गए और 100 से अधिक आतंकियों का सफाया कर भारत की सुरक्षा को मजबूती प्रदान की गई। इस ऑपरेशन ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अद्वितीय निर्णय क्षमता और भारतीय सेना के अदम्य पराक्रम को वैश्विक स्तर पर सलामी दिलाई। इस यात्रा का लक्ष्य न केवल ऑपरेशन सिंदूर के प्रति समर्थन जताना है, बल्कि युवाओं एवं आम नागरिकों में देशभक्ति, अनुशासन और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान की भावना को और प्रगाढ़ करना भी है।

कला-संस्कृति-पर्यटन मंत्री एवं करावल नगर के विधायक श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यह यात्रा हमारे उन सैनिकों के अतुलनीय साहस, शौर्य और पराक्रम के प्रति एक सामूहिक सम्मान है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर भारत के स्वाभिमान, साहस और संप्रभुता का जीवंत प्रतीक है। हमारे वीर सैनिकों ने जिस अदम्य निष्ठा और पराक्रम से सीमाओं की रक्षा की, वह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दृढ़ नेतृत्व क्षमता का भी परिचायक है। प्रधानमंत्री जी का यह कथन-'आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस ही बेहतर विश्व की गारंटी है'-आज पूरी दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश है। हमें अपनी वीर सेना पर गर्व है, जिसका पराक्रम आज विश्व में गूँज रहा है।

श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि, पड़ोसी देश द्वारा आतंकवाद को प्रश्रय देने वाली नीतियों की कड़ी निंदा करते हुए मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ–यदि किसी आतंकवादी ने भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा, तो हमारी सेना और सरकार, प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में, उसे मुँहतोड़ जवाब देगी।

यात्रा के दौरान सैकड़ों देशभक्तों ने तिरंगे को थामकर "भारत माता की जय!", "वंदे मातरम्!" और "जय हिंद!" के उद्घोषों से गगन गुंजायमान कर दिया। सड़कों पर उत्साहित नागरिकों और युवाओं की भारी भीड़ ने देशभक्ति के रंग में पूरे दिल्ली को सराबोर कर दिया। यह दृश्य भारत की अदम्य जनशक्ति और राष्ट्रप्रेम की अमर भावना का प्रतीक था। यह 'विशाल तिरंगा यात्रा' न केवल ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित थी, बल्कि यह भारत के संकल्प, सैन्य बल की शक्ति और नागरिकों की देशभक्ति का एक जीवंत उदाहरण भी रही।

महेंद्रगढ़वासियों को मिली करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

'महेंद्रगढ़ विधानसभा में बनेगी नई अनाज मंडी'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महेंद्रगढ़वासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए 152 करोड़ 87 लाख 92 हजार रुपये लागत की 30 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 81 करोड़ 49 लाख 30 हजार रुपये की लागत की 15 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 71 करोड़ 38 लाख 62 हजार रुपये लागत की 15 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 152 करोड़ 87 लाख रुपये लागत की 30 परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

महेंद्रगढ़ विधानसभा में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणाओं का पिटारा खोलते हुए कहा कि जिन किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए पैसे जमा करवा रखे हैं, ऐसे 1450 नलकूप कनेक्शनों को अगले 3 महीने में जारी किया जाएगा। इसके अलावा, 2023 तक जिन किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए आवेदन किया है, वे भी जल्द पैसे जमा करवा दें, उनके कनेक्शन भी जल्द जारी कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने महेंद्रगढ़ विधानसभा में एक नई अनाज मंडी बनाने की भी घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि किसी भी गांव में जमीन उपलब्ध होने पर गौ-अभ्यारण्य बनाया जाएगा। साथ ही, गांव उस्मापुर, बारड़ा, खातौद या जड़वा में जमीन उपलब्ध करवाने पर पशु औषधालय और पशु चिकित्सालय बनाया जाएगा, इसके लिए उन्होंने 1 करोड़ 51 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, गांव डीगरोता के पशु औषधालय को 40 लाख रुपये की लागत से पशु चिकित्सालय में अपग्रेड किया जाएगा। साथ ही, वीएलडीए कॉलेज की फिजिबिलिटी चैक करवाकर इस कार्य को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव आकोदा में बिजली का सब-डिविजन स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, मकानों के ऊपर से गुजरने वाली हाईटेंशन लाइनों को हटाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने 3 करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि डालनवास गांव में 33 केवी तथा महेंद्रगढ़ शहर में 33 केवी सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा। महेंद्रगढ़ विधानसभा में 56 कॉलोनियों में बिजली व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा, महेंद्रगढ़ शहर में एलटी लाइनों की जगह एलटी केबल डाली जाएगी। महेंद्रगढ़ से नारनौल तक 33 हजार केवी की बंद पड़ी लाइन को हटाया जाएगा।

इस मौके पर विधायक ओमप्रकाश यादव, पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा, पूर्व मंत्री अभय सिंह यादव, सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

आशीष सूद ने जनकपुरी में आरोग्य योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बांटे

'स्वास्थ्य क्रांति की ओर दिल्ली का कदम, पीएम-जेएवाई आयुष्मान कार्ड'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने अपने विधानसभा क्षेत्र जनकपुरी में क्षेत्रीय जनता द्वारा किये गए स्वागत और सम्मान कार्यक्रम में क्षेत्र के कुछ वरिष्ठ लोगो को आयुष्मान कार्ड वितरित किये। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए श्री सूद ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू की गई है। इस आयुष्मान योजना के तहत दिए जा रहे 5 लाख के स्वास्थ्य सुरक्षा के अतिरिक्त दिल्ली सरकार भी 5 लाख का टॉप-अप कवर प्रदान करेगी। इस तरह प्रत्येक लाभार्थी को कुल 10 लाख तक की स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध होगी, जो देशभर में एक मिसाल है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। श्री सूद ने बताया की अब बीमारी आर्थिक बोझ नहीं बनेगी, दिल्ली के नागरिक बेझिझक और बिना किसी बाधा के अपना इलाज करा सकेंगे, दिल्ली और भारत के अन्य राज्यों में भी सूचीबद्ध अस्पताल में यह सुविधा मिलेगी, जिससे इलाज की गुणवत्ता और पहुंच दोनों सुनिश्चित होंगी। यह योजना न सिर्फ स्वास्थ्य सुरक्षा है, बल्कि हर परिवार को सम्मान और आत्मविश्वास देने वाला कदम है। हमारा संकल्प है कि कोई भी व्यक्ति पैसों की कमी के कारण इलाज से वंचित न रहे। हम इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि हर पात्र व्यक्ति को इस योजना का लाभ मिले। यह योजना विशेष रूप से गरीबों और जरूरतमंदों के लिए एक संजीवनी साबित होगी।

उन्होंने कहा की पिछली सरकार ने इस जन कल्याणकारी योजना को जान बूझ कर रोके रखा और दिल्ली वासियों को इसका लाभ नहीं लेने दिया। जिससे दिल्ली के लाखों लोग अच्छी स्वास्थ्य सुविधा से वंचित रहे।

श्री सूद ने बताया की यह योजना सिर्फ इलाज की सुविधा नहीं, बल्कि एक सशक्त और आत्मनिर्भर दिल्ली की ओर बड़ा कदम है।

यह योजना न केवल हमारे हेल्थ सिस्टम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा, बल्कि दिल्ली को 'स्वास्थ्य के क्षेत्र में वर्ल्डक्लास' बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। इससे हमारे प्रधानमंत्री के 'विकसित दिल्ली' के संकल्प को मजबूती मिलेगी, दिल्ली के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी, और राजधानी स्वास्थ्य क्षेत्र में देशभर में अग्रणी बनेगी।

शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा की दिल्ली सरकार हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है।

युवाओं को खेलों में प्रोत्साहित करने के साथ-साथ नौकरी देने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है हरियाणा सरकार: गौतम

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता और कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार युवाओं को खेलों में प्रोत्साहित करने के साथ-साथ नौकरी देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।

खेल मंत्री श्री गौरव गौतम पलवल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंडोर स्टेडियम में गत 26 जनवरी को आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में प्रतिभागी विद्यार्थियों के पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ें। खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर अपने माता-पिता, गांव व जिले व प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन के अधिकारियों और शिक्षकों को भी समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया करवा रही है। जिला में लगभग सभी खेलों के कोच नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा जिन खेलों के लिए कोच नहीं है, उनको भी जल्द लगाया जाएगा। इसके अलावा खेल स्टेडियमों में सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। इस अवसर पर उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढकर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की सैन्य शक्ति और रणनीतिक क्षमता का प्रमाण: राव इंद्रजीत सिंह

एसबी संवाददाता/चंडीगढ़। 'ऑपरेशन सिंदूर' की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में रेवाड़ी में 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने किया। सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित यह यात्रा स्थानीय महाराणा प्रताप चौक से शुरू होकर शहीद स्मारक नजदीक लघु सचिवालय पर संपन्न हुई। यात्रा में आमजन, पूर्व सैनिक, युवा वर्ग और मातृशक्ति की प्रमुख भागीदारी रही। यात्रा में रेवाड़ी से विधायक श्री लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, कोसली से विधायक श्री अनिल यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली सहित पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल भी शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने यात्रा में सहभागी बने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत सरकार की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारत के स्वाभिमान और संप्रभुता का प्रतीक है: मंत्री आशीष सूद

'शौर्य सम्मान यात्रा' में उमड़ा राष्ट्रभक्त नागरिकों का जनसैलाब

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना को मिली जबरदस्त कामयाबी के बाद भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता और कार्यकर्ता के साथ राष्ट्रभक्त नागरिक देश भर तिरंगा यात्रा निकालकर जवानों की वीरता को नमन कर रहे हैं। भारत के शूरवीरों के सम्मान में दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद के नेतृत्व में दिल्ली के जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र के डाबरी पुलिस स्टेशन से लेकर कादिमी मार्केट (C 4G,) तक भव्य तिरंगा यात्रा निकली गई।

इस 'शौर्य सम्मान यात्रा' में जनकपुरी विधानसभा के राष्ट्रभक्त नागरिकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेना के बहादुरी एवं पराक्रम के सम्मान में गृहमंत्री श्री आशीष सूद के मार्गदर्शन और 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक' के बैनर तले निकाली गई तिरंगा यात्रा में जनकपुरी विधानसभा के कई आरडब्लूए, मंदिर समिति, गुरुद्वारा प्रबंधन, मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारी से लेकर सामाजिक संगठन से जुड़े नागरिक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा झंडा लेकर तिरंगा यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने पूरे रास्ते भारत माता की जय का ऐसा जयघोष किया जिसकी गूंज जनकपुरी विधानसभा से लेकर पूरी दिल्ली तक में सुनाई देने लगी।

'शौर्य सम्मान यात्रा' में जनकपुरी विधानसभा के सैकड़ों राष्ट्रभक्तों ने शामिल होकर पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना के पराक्रम के प्रति अपने अपने तरीके से आभार प्रकट किया। भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा के समाप्न के बाद दिल्ली के गृहमंत्री श्री आशीष सूद ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेना ने अपने बहादुरी और पराक्रम से पाकिस्तान को चारो खाने चित कर दिया है। आज देश ही नहीं पूरी दुनिया के लोग भी जानते हैं कि पाकिस्तान के महाबलपुर, सरगोधा, रावलपिंडी से लेकर लाहौर तक प्रिसीजन के साथ, बिल्कुल सटीक कैलकुलेशन के साथ हमारी सेनाओं ने मिलकर दुश्मन की मिलिट्री एस्टेब्लिशमेंट के साथ ही उनके कई अहम सैन्य ठिकानों को हमेशा के लिए मिट्टी में मिला दिया है।

यह सफलता दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति रखने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन के चलते संभव हो सका है।

सम्पादकीय

अनोखी शोकसभा

अभी दो चार दिन पहले ही भारत, भूटान, नेपाल और चीन के चुनिंदा ग्लेशियलोजिस्टों ने समुद्र तल से करीब 5100 मीटर उंचे याला ग्लेशियर के मौत की अनोखी शोकसभा का आयोजन कर दुनिया के देशो को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के प्रति सावचेत करने का प्रयास किया है। हालांकि किसी ग्लेशियर की मौत की विधिवत घोषणा और मातम सभा के आयोजन का यह कोई पहला मौका नहीं है। पिछले सात सालों में यह तीसरा मौका है जब ग्लेशियर की मौत की शोक सभा का आयोजन और उस स्थल पर पट्टिका लगाने का काम हुआ है। इससे पहले 2019 में आइसलैण्ड के ओक और 2021 में मैक्सिको के ओयोलोको ग्लेशियर के मौत की शोकसभा का आयोजन किया जा चुका है। ग्लोबल वार्मिंग दुनिया को किस दिशा में ले जा रही है और किस तरह के प्रभाव हमें पिछले सालों से लगातार देखने को मिल रहे हैं उनमें से ग्लेशियरों के नष्ट होना तो केवल और केवल एक पक्ष मात्र है। जबकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियरों के पिघलने के बारे में विशेषज्ञ वैज्ञानिक लगातार सावचेत करते रहे हैं। जब कोई ग्लेशियर इस हालात में आ जाता है कि उसका मूवमेंट ही लगभग समाप्त हो जाता है तो वह ग्लेशियर मृत श्रेणी में आ जाता है। दुनियाभर में ग्लेशियरों के पिघलने की गति तेज बढ़ती जा रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने के कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है। समुद्र के जल स्तर के बढ़ने के कारण समुद्र किनारे के कई शहरों के सामने डूबने का संकट दिखाई दे रहा है। यह तो केवल एक पहलू है। ग्लोबल वार्मिंग और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण सूखा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तापमान में अत्यधिकता जैसे साल दर साल गर्मी में तेजी और असमय तेज गर्मी, तेज वर्षात और तेज सर्दी प्रभावित कर रही है। जंगलों में आग के कारण जिस तरह से जंगल और जंगल की जीव विविधता प्रभावित हो रही है और जंगल रेगिस्तान में तब्दील हो रहे हैं यह अपने आपमें गंभीर है। इसी तरह से मौसम में अनावश्यक बदलावों के कारण नई नई बीमारियों के साथ ही विलुप्त बीमारियां जैसे मलेरिया और वायरस जनित बीमारियों का बढ़ता प्रकोप, दवाओं की असरता कम होना और ना जाने इस तरह के क्या क्या परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं यह आज सारी दुनिया के सामने हैं। ग्लोबल वार्मिंग के चलते सूखा और रेगिस्तान का विस्तार लगातार होता जा रहा है। पिछले सालों में दुनिया के देशों में चक्रवातों का चक्र तेजी से बदला है और तूफानों की तीव्रता और फ्रिक्वेंसी में तेजी आई है। इसके साथ ही भूकंपों की सक्रियता बढ़ रही है। अब तूफान और भूकंपों की फ्रिक्वेंसी तो इस कदर बढ़ गई है कि कब भूकंप आ जाये और कब समुद्र तट की और बढ़ते तूफान की घोषणा हो जाए यह आये दिन देखने को मिल रहा हे। दुनियाभर के देश ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से प्रभावित है। जिस तरह के बडे बड़े सम्मेलनों में दुनिया के नेता ग्लोबलवार्मिंग को लेकर चिंतन मनन को जुट तो जाते हैं पर परिणाम अभी तक जो सामने दिखाई दे रहे हैं पह गंभीर संकट की और साफ इशारा समझने की आवश्यकता है। दरअसल जिस तरह का ग्लोबल वार्मिंग का असर देखा जा रहा है उससे यह माना जा रहा है कि लाख प्रयासों के बावजूद 9 लाख ट्रिलियन टन बर्फ के पिघलने की संभावना वैज्ञानिकों द्वारा बार बार की जा रही है। मौसम में हर दूसरे तीसरे दिन बदलाव और चरम मौसम के हालात गंभीर है। रेगिस्तान का विस्तार हो रहा है तो सूखे की संभावनाएं अधिक हो गई है। बीमारियों के नित नए वेरियंट सामने आ रहे हैं तो कीटाणुओं की सक्रियता और उनका असर साफ देखा जा सकता है। ऐसे में एक और दुनिया के देशों को ढुलमिल नीति त्यागकर ठोस प्रयास करने होंगे। गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा। इसके साथ ही वैज्ञानिकों को भी एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि केवल आय बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रयास नहीं करने चाहिए। गैरसरकारी संगठनों की ऐसें हालातों में और अधिक्र सक्रियता के साथ अभियान चलाने होंगे। ग्लेशियरों के पिघलने का संकट आने वाले समय में और अधिक गंभीर होगा क्योंकि जिस तरह से कांक्रिट के जंगल, अत्यधिक भू जल का दोहन पंखे कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशरों का बढता प्रयोग, और इलेक्ट्रोनिक उत्पादों के कारण हालत दिन प्रतिदिन खराब होते जा रहे हैं। हालात यही रहे तो ग्लेशियरों की बर्फ पिघलेगी ही पिघलेगी साथ ही अनेक समस्याएं और अधिक नकारात्मक प्रभाव डालेगी।

जयंती

नाना साहब

जन्म-19 मई, 1824, वेणुग्राम, महाराष्ट्र; मृत्यु-6 अक्टूबर, 1858) सन 1857 के भारतीय स्वतन्त्रता के प्रथम संग्राम के शिल्पकार थे। उनका मूल नाम 'धोंडूपंत' था। स्वतंत्रता संग्राम में नाना साहेब ने कानपुर में अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोहियों का नेतृत्व किया। पेशवा बाजीराव बल्लाल भट्ट द्वितीय ने नाना साहब को गोद ले लिया था। इतिहास में नाना साहेब को बालाजी बाजीराव के नाम से भी संबोधित किया गया है। 1 जुलाई 1857 को जब कानपुर से अंग्रेजों ने प्रस्थान किया तो नाना साहब ने पूर्ण स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी तथा पेशवा की उपाधि भी धारण की। नाना साहब का अदम्य साहस कभी भी कम नहीं हुआ और उन्होंने क्रांतिकारी सेनाओं का बराबर नेतृत्व किया।

पुण्यतिथि

जमशेद जी टाटा

जन्म-3 मार्च, 1839, गुजरात; मृत्यु-19 मई, 1904, जर्मनी) भारत के विश्व प्रसिद्ध औद्योगिक घराने 'टाटा समूह' के संस्थापक थे। भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में जमशेदजी ने जो योगदान दिया, वह असाधारण और बहुत ही महत्त्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने भारतीय औद्योगिक विकास का मार्ग ऐसे समय में प्रशस्त किया था, जब उस दिशा में केवल यूरोपीय, विशेष रूप से अंग्रेज ही कुशल समझे जाते थे। इंग्लैण्ड की अपनी प्रथम यात्रा से लौटकर जमशेदजी टाटा ने चिंचपोकली की एक तेल मिल को कताई-बुनाई मिल में परिवर्तित करके औद्योगिक जीवन का सूत्रपात किया था। टाटा साम्राज्य के जनक जमशेदजी द्वारा किए गये अनेक कार्य आज भी लोगों को प्रेरित एवं विस्मित करते हैं। भविष्य को भाँपने की अपनी अद्भुत क्षमता के बल पर ही उन्होंने एक स्वनिर्भर औद्योगिक भारत का सपना देखा था। उन्होंने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा के लिए बेहतरीन सुविधाएँ उपलब्ध करायीं और राष्ट्र को महाशक्ति बनने के मार्ग पर अग्रसर किया।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है।

इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ।

इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति-नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दशार्ता है।

2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।" प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, "सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।" अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, "सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।"

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तजा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, "सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।" पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है।

सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ 'बदलावों' के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की 'समीक्षा' करने की भी बात की थी। इसमें 'सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों' का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि 'सीमा पार से आतंकवाद' इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है।

15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं।

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा।

भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगी तो टेररिज्म पर होगी पाकिस्तान से बात होगी..तो पीओके पर होगी। अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिये शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रिश्वत लेकर सवाल पूछने का नेताओं काला इतिहास रहा है

24 दिसंबर 2005 को संसद में वोटिंग के जरिए आरोपी सभी 11 सांसदों को निष्कासित कर दिया गया। लोकसभा में प्रणब मुखर्जी ने 10 सांसदों के निष्कासन का प्रस्ताव रखा था जबकि राज्यसभा में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने एक सांसद को निष्कासित करने का प्रस्ताव रखा था। वोटिंग के दौरान भाजपा वॉकआउट कर गई थी

-योगेन्द्र योगी

देश के नेताओं ने आजादी के बाद से भ्रष्टाचार के इतने काले कारनामे किए हैं कि यदि कोई नेता ईमानदारी से अच्छा भी काम करे तब भी उस पर सहज भरोसा करना मुश्किल होता है। देश के लोगों की याद से नेताओ के काले कारनामे की छाप मिटे, इससे पहले ही कोई न कोई नया कांड ऐसा सामने आता है और पूरे तंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो जाते हैं। नया मामला राजस्थान का है। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के एक विधायक जयकृष्ण पटेल को राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने विधानसभा में सवाल पूछने के बदले 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। राजस्थान की इस क्षेत्रीय पार्टी के दो विधायक और एक सांसद हैं। आदिवासियों के उत्थान के आहवान के साथ इस पार्टी का गठन किया गया। इस पार्टी ने 2023 के विधानसभा चुनाव मे कुल चार सीटें जीती, तीन सीटें राजस्थान मे और एक सीट मध्यप्रदेश मे जीती। बीएपी की टिकट पर डूंगरपुर बांसवाड़ा संसदीय सीट जीतने वाले राजकुमार रोत लोकसभा से सांसद बने। रिश्वत लेने के आरोपी बीएपी विधायक पटेल ने विधानसभा में बीते सत्र के दौरान 11 जुलाई 2024 को अवैध खनन, फार्म हाउस, वन्य जीव और नशा तस्करी को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कुछ सवाल किये गए थे। विधानसभा में इन्हीं खनन से जुड़े सवालों को हटवाने को लेकर रिश्वत का खेल शुरू हुआ। बीएपी विधायक ने इन सवालों को हटाने के लिए 10 करोड़ की डिमांड की थी। अंततः 20 लाख में सौदा तय हुआ और विधायक पटेल को रंगे हाथों दबोच लिया गया। यह पहला मौका नहीं है जब किसी जनप्रतिनिधि ने सदन की पवित्रता को तार-तार किया है। इससे पहले भी मामले सामने आ चुके हैं, जब विधानसभा हो या लोकसभा में सवाल पूछने या नहीं पूछने के ऐवज में रिश्वत मांग कर समूचे लोकतंत्र को कलंकित करने का काम किया गया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा का मामला अभी भी देश के लोगों की स्मृति से मिटा भी नहीं है। महुआ मोइत्रा ने रियल एस्टेट कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के व्यवसायिक हितों की रक्षा के लिए संसद में सवाल पूछे। आरोप था कि महुआ मोइत्रा ने हीरानंदानी के इशारे पर 61 सवालों में 50 में अंबानी और अडानी को टारगेट किया। दर्शन हीरानंदानी ने खुलासा किया कि महुआ मोइत्रा ने अपनी संसद लॉगिन और पासवर्ड उनके साथ साझा किया था। उन्होंने महुआ की ओर से सवाल पोस्ट किए थे। एथिक्स कमेटी ने 6-4 के बहुमत से महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म करने की सिफारिश कर दी। टीएमसी सांसद मोइत्रा से पहले भी जनप्रतिनिधियों के ऐसे कृत्यों से देश में राजनीतिक बवंडर उठ चुके हैं। वर्ष 2005 में ऐसे ही एक अन्य मामले में लोकसभा के 10 और राज्यसभा के एक सांसद की सदस्यता रद्द हुई थी। तब एक वेब पोर्टल ने स्टिंग ऑपरेशन किया था। स्टिंग में 11 सांसद सवाल के बदले में कैश का ऑफर स्वीकार करते दिखे थे। इनमें लोकसभा के 10 और राज्यसभा के 1 सदस्य को निष्कासित कर दिया गया था। तब केंद्र में डॉक्टर मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए-1 की सरकार थी। संसद की सदस्यता गंवाने वालों में 6 बीजेपी के थे, 3 बीएसपी के और 1-1 कांग्रेस के सांसद थे। स्टिंग में सबसे कम कैश 15000 रुपये की भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह लोढ़ा के सामने पेशकश की गई थी जबकि सबसे ज्यादा कैश 1,10,000 रुपये आरजेडी के सांसद मनोज कुमार को ऑफर की गई थी।

24 दिसंबर 2005 को संसद में वोटिंग के जरिए आरोपी सभी 11 सांसदों को निष्कासित कर दिया गया। लोकसभा में प्रणब मुखर्जी ने 10 सांसदों के निष्कासन का प्रस्ताव रखा था जबकि राज्यसभा में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने एक सांसद को निष्कासित करने का प्रस्ताव रखा था। वोटिंग के दौरान भाजपा वॉकआउट कर गई थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष एलके आडवाणी ने कहा था कि सांसदों ने जो कुछ किया वह करप्शन कम, मूर्खता ज्यादा है। इसके लिए निष्कासन बहुत ही कठोर सजा होगी। जनवरी 2007 में सुप्रीम कोर्ट ने भी सांसदों के निष्कासन के फैसले को सही ठहराया था। उसी साल दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश में दिल्ली पुलिस ने इस मामले में केस भी दर्ज किया था। न्यूज पोर्टल के दो पत्रकारों के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल हुई। संसद राज्यसभा हो या लोकसभा, सदन में सत्र की कार्यवाही के दौरान असहज कर देने वाली घटनाओं का पुराना इतिहास रहा है। पहले भी ऐसी कई घटनाओं का गवाह बना है चाहे वो पैसे के लेन-देन को लेकर आरोप लगाने का मामला हो या फिर नोटों की गड्डियां लहराने का। ऐसे कई किस्से हैं जब सदन की गरिमा को तार-तार किया गया। 22 जुलाई, 2008 को मनमोहन सरकार के विश्वासमत हासिल किए जाने के दौरान लोकसभा में एक करोड़ रुपए के नोटों की गड्डियां लहरा कर सनसनी फैला दी गई थी। नोट लहराने वालों में भाजपा के तीन सांसदों अशोक अर्गल, महावीर भागौरा और फग्गन सिंह कुलस्ते शामिल थे। तीनों सांसदों ने आरोप लगाया था कि समाजवादी पार्टी के तत्कालीन महासचिव अमर सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल ने विश्वास मत में हिस्सा नहीं लेने के बदले रुपए देने की पेशकश की थी। जबकि इन दोनों ने इन आरोपों से इनकार किया था। इसी तरह राज्यसभा में 5 दिसंबर 2024 को कांग्रेस सांसद की बेंच से नोटों के बंडल मिलने का मामला सामने आया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने इसे गंभीर मामला बताया। साथ ही इसकी जांच कराने की बात कही है। यह सीट तेलंगाना से सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की थी। देश के लोकतंत्र पर कालिख पोतने वाली ऐसी घटनाओं से जाहिर है कि कानून बना कर देश चलाने वाले जनप्रतिनिधियो पर आम लोगों का पूरा भरोसा नहीं है। इस भरोसे के दरकने के लिए नेता जिम्मेदार हैं। दरअसल नेता और जनप्रतिनिधी जब तक खुद को कानून से ऊपर समझते रहेंगे तब तक ऐसी शर्मनाक पुनरावृत्ति से देश शर्मसार होता रहेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को वापस भेजने में कानूनी प्रक्रिया का पालन होगा: बांग्लादेश

(एजेन्सी)। **बांग्लादेश** के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने शनिवार को कहा कि देश में अवैध रूप से रह रहे भारतीय नागरिकों को उचित राजनयिक माध्यमों से वापस भेजा जाएगा। समाचार एजेंसी बांग्लादेश संवाद संस्था (बीएसएस) के अनुसार, सलाहकार ने सतखीरा में तीसरी अस्थायी सीमा चौकी का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। चौधरी ने दावा किया कि बांग्लादेश कूटनीति के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रोटोकॉल का पालन किया है। उन्होंने कहा, विदेश मंत्रालय ने इस मामले में भारत को पहले ही पत्र लिखा है। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तथा रोहिंग्या मामलों पर मुख्य सलाहकार के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान इस मुद्दे पर कूटनीतिक संवाद बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत को सूचित किया गया है कि यदि कोई बांग्लादेशी नागरिक भारत में अवैध रूप से रह रहा है तो उसे उचित माध्यम से वापस भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, यदि कोई भारतीय नागरिक बिना अनुमति के बांग्लादेश में रहता पाया गया तो कानूनी प्रक्रियाओं के बाद उसे वापस भेजा जाएगा।

अमेरिका में भीषण तूफान के कारण कम से कम 27 लोगों की मौत

(एजेन्सी)। **अमेरिका** के समूचे मध्य-पश्चिम और दक्षिण भाग में तूफान के कारण कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से 18 लोगों की मौत केंटुकी में आए बवंडर के कारण हुई। केंटुकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने शनिवार को बताया कि उनके राज्य में 18 लोगों की मौत हुई तथा 10 अन्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केंटुकी में आए विनाशकारी तूफान ने मकानों एवं वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा अनेक लोगों को बेघर कर दिया।

बेशियर ने बताया कि राज्य की दो दर्जन सड़कों के कुछ हिस्से बंद कर दिए गए हैं और कुछ को फिर से खोलने में कई दिन लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है। मिसौरी में भी कई लोगों की मौत हुई है।

मिसौरी के सेंट लुईस की मेयर कारा स्पेंसर ने बताया कि उनके शहर में पांच लोगों की मौत हो गई, 38 लोग घायल हो गए और 5,000 से अधिक मकान प्रभावित हुए। ये तूफान शुक्रवार को आई भीषण मौसम प्रणाली का हिस्सा थे जिसके कारण विस्कॉन्सिन में बवंडर आया, ग्रेट लेक्स क्षेत्र में लाखों लोगों को बिजली के बिना रहना पड़ा तथा टेक्सास में भीषण गर्म हवाएं चलीं।

शुक्रवार अपराह्न आए तूफान के कारण इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, पेड़ एवं बिजली के खंभे गिर गए। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। स्पेंसर ने कहा, यह वाकई विनाशकारी है।

दिल्ली कैपिटल्स वर्सेस गुजरात टाइटंस, देखें दोनों टीमों की प्लेइंग 11

(एजेन्सी)। **दिल्ली** कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2025 का 60वां मुकाबला खेला जा रहा है। जहां गुजरात टाइटंस टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी है। गुजरात में तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा की वापसी हुई है। दिल्ली ने विपराज निगम और मुस्तफिजुर रहमान को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। ये दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने हैं।

पिछले मैच में गुजरात ने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया था। शुभमन गिल की कप्तानी में जीटी की दिल्ली को हराकर प्लेऑफ का टिकट पक्का करने पर नजर है। गुजरात ने अब तक 11 मैचों में 8 जीते के बाद 16 अंक जुटाए हैं और पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। वहीं अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली पांचवें पायदान पर है। उसने 11 मैचों में 6 जीत के साथ 13 अंक बटोरे हैं।

गुजरात टाइटंस-शुबमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अरशद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रिसिध कृष्णा।

दिल्ली कैपिटल्स- फाफ डु प्लेसिस, अभिषेक पोरेल, समीर रिजवी, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुस्तफिजुर रहमान।

प्लेऑफ के करीब पहुंची पंजाब किंग्स

(एजेन्सी)। **एक** हफ्ते के बाद आईपीएल 2025 का रोमांच फिर से शुरू हो गया है। वहीं इस दौरान रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को 10 रन से मात दी। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने नेहाल वढेरा और शशांक सिंह के बेहतरीन पारियों के दम पर 219 रन का भारी-भरकम स्कोर बनाया। जिसके जवाब में रॉयल्स टीम 209 रन तक ही पहुंच पाई। वहीं हरप्रीत बराड़ ने रॉयल्स को रोकने का काम किया।

वहीं इस जीत के बाद पंजाब किंग्स प्लेऑफ के बेहद करीब पहुंच गई है। वहीं प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी राजस्थान रॉयल्स ने इस मुकाबले में अच्छी शुरूआत करते हुए सिर्फ 19 गेंदों के अंदर ही पंजाब किंग्स को मुश्किल में डाल दिया था। तुषार देशपांडे और क्वेना मफाका ने लगातार 3 ओवर में पंजाब के टॉप-3 बल्लेबाजों को पवेलिनय भेजकर टीम की वापसी कराई।

तुषार देशपांडे ने दूसरे और चौथे ओवर में प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन जैसे बल्लेबाजों को आउट कर दिया था। पंजाब ने सिर्फ 34 रन तक 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से नेहाल वढेरा ने बाकी बल्लेबाजों के साथ अहम साझेदारियां की और एक बेहतरीन अर्धशतक जमा दिया। उनके बाद शशांक सिंह ने टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने का काम किया शशांक ने आखिरी ओवर्स में अज्मतुल्लाह ओमरजई के साथ मिलकर सिर्फ 24 गेंदों में 60 रन की तूफानी पार्टनरशिप की। राजस्थान के लिए तुषार ही सबसे सफल गेंदबाज रहे।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स को बेहतरीन शुरूआत मिली। पहले ओवर में यशस्वी जायसवाल ने चौके-छक्के जड़कर अर्शदीप सिंह पर 22 रन कूट दिए। फिर वैभव सूर्यवंशी ने भी ऐसा ही किया और राजस्थान ने 17 गेंदों में ही 50 रन पूरे कर लिए। दोनों ने मिलकर सिर्फ 4.5 ओवर में ही 76 रन की धुआंधार साझेदारी की। लेकिन यहां पर बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ ने मैच पलटते हुए 22 रन देकर 3 विकेट झटके। पांचवें ओवर में हरप्रीत ने पहले वैभव (40 रन, 14 गेंद) को आउट किया। फिर कुछ देर बाद 9वें ओवर में यशस्वी (50 रन, 25 गेंद) भी उनका ही शिकार बने। यशस्वी ने 50 रन बनाए। कप्तान संजू सैमसन और रियान पराग कुछ खास नहीं कर पाए और 144 रन तक 4 विकेट गिर गए। रियान को भी हरप्रीत बराड़ ने ही आउट किया। इसके बाद ध्रुव जुरेल (53) ने मोर्चा संभाला और टीम को लक्ष्य के करीब ले गए। लेकिन 20वें ओवर में जब 22 रन की जरूरत थी तो दूसरी गेंद पर ही जुरेल को मार्को यानसेन ने आउट कर लिया और राजस्थान 209 रन ही बना पाई।

सेबी ने 20 करोड़ रुपये से अधिक के बॉन्ड निर्गम के निजी नियोजन को ई-बुक व्यवस्था को अनिवार्य किया

(एजेन्सी)। **भारतीय** प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक केबॉन्ड निर्गम के निजी नियोजन के लिए इलेक्ट्रानिक बुक व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही नियामक ने मंच का दायरा बढ़ाकर इसमें रीट और इनविट को भी शामिल कर दिया है। एक कार्यसमूह की सिफारिशों और सार्वजनिक प्रतिक्रिया के आधार पर उठाए गए इस कदम से इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रदाता (ईबीपी) मंच की दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी। सेबी के परिपत्र के अनुसार, नए ढांचे के तहत, ईबीपी मंच का उपयोग अब 20 करोड़ रुपये या अधिक के निर्गम आकार की ऋण या बॉन्ड प्रतिभूतियों, गैर-परिवर्तनीय विमोच्य तरजीही शेयरों (एनसीआरपीएस) और म्यूनिसिपल बॉन्ड के निजी नियोजन के लिए अनिवार्य होगा। अभी तक 50 करोड़ रुपये या इससे अधिक के निर्गम आकार वाली बॉन्ड प्रतिभूतियों के सभी निजी नियोजन के लिए यह तंत्र अनिवार्य था।

सेबी ने ईबीपी मंच पर उत्पादों का विस्तार करते हुए इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और रियल एस्टेट इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (आरईआईटी) को शामिल किया है। इससे पहले इसको लेकर कोई विशिष्ट नियामकीय प्रावधान नहीं था।

साथ नजर आएंगे अली फजल और तिलोत्तमा शोम

(एजेन्सी)। अली फजल ने बहुत कम समय में अपनी अलग-अलग भूमिकाओं से दर्शकों को प्रभावित किया है। चाहे वह मिजार्पुर में गुड्डू पंडित का किरदार हो या विक्टोरिया एंड अब्दुल में अब्दुल के रूप में उनका संयमित अंदाज, अभिनेता ने हर फिल्म में दिल जीतने में कामयाबी हासिल की है। अब, फजल के अगले प्रोजेक्ट का खुलासा हो गया है। अभिनेता तिलोत्तमा शोम के साथ बियॉन्ड नामक एक सुपरनैचुरल थ्रिलर में अभिनय करेंगे। बियॉन्ड हिमालय में सेट की जाएगी। यह 2025-2026 की सर्दियों में फ्लोर पर आने वाली है। यह फिल्म निर्देशक सुमित पुरोहित द्वारा निर्देशित की जा रही है और इसकी कहानी हिमालय की एक रहस्यमय और वीरान बस्ती में आधारित है। मनोरंजन समाचार पोर्टल डेडलाइन के अनुसार, फिल्म का लेखन सुमित पुरोहित और सौरव डे ने मिलकर किया है। निर्देशक पुरोहित ने कहा कि फिल्म की कहानी स्थानीय किंवदंतियों और लोक कथाओं से प्रेरित है। उन्होंने एक बयान में कहा, जैसे अन्य लोग अपने जीवन में बेहतर अवसरों की तलाश में पहाड़ी क्षेत्रों से बाहर चले जाते हैं, वैसे ही मैं भी निकला। लेकिन इस सतत प्रवास ने कई पहाड़ी गांवों को वीरान कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा ही एक स्थान, जो समय में ठहरा हुआ और भुला दिया गया है, मेरी फिल्म बियॉन्ड की पृष्ठभूमि है। फिल्म रहस्यपूर्ण हॉरर शैली में जरूर है, लेकिन इसका मूल भाव उस वीरानी और अकेलेपन को दशार्ना है जो इन जगहों में व्याप्त है। फिल्म का निर्माण चिप्पी बाबू और अभिषेक शर्मा की ट्रेनट्रिपर फिल्म्स तथा मारियो स्टेफन की फिबर फिल्म द्वारा किया जा रहा है। इसकी शूटिंग हिमालय में की जाएगी।

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

संजना भारती संवाददाता

तेघड़ा (बेगूसराय)। तेघड़ा प्रखंड के पुराना ब्लॉक स्थित एक निजी होटल में पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत सेविकाओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। जिसका उद्घाटन जिला प्रोग्राम पदाधिकारी राजकुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रतिमा आचार्य एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामकृष्ण द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया गया। सीनियर डिप्टी कलेक्टर ने कहा कि पोषण भी पढ़ाई भी सक्षम आंगनबाड़ी और मिशन पोषण 2.0 के तहत एक कार्यक्रम है। नयी शिक्षा नीति 2020 के तहत गर्भावस्था से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए नव चेतना एवं 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए आधारशिला पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

इसी पाठ्यक्रम का अनुसरण कर सेविकाओं द्वारा अपने पोषक क्षेत्र के शून्य माह से छह वर्ष तक के बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रतिमा आचार्य ने सेविका को पोषण भी पढ़ाई भी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। जिला प्रोग्राम सहायक अश्वनी कौशिक ने बताया कि शिक्षा नीति 2020 के तहत पोषण भी पढ़ाई भी महत्वपूर्ण है इसके तहत सक्षम आंगनबाड़ी और मिशन पोषण के तहत महिला और बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विकास के प्रमुख क्षेत्र में कौशल निर्माण के लिए, छह साल से कम उम्र के सभी बच्चों को समग्र विकास, शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक भावनात्मक, नैतिक संस्कृत कलात्मक और प्रारंभिक भाषा साक्षरता का विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य के पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम की शुरूआत की गयी है।

प्रखंड समन्वयक मोहम्मद इमरोज ने बताया कि सभी मिलकर इस कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल बनायेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण पर ध्यान देने के साथ-साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से आंगनबाड़ी कार्यकताओं की क्षमता निर्माण की परिकल्पना की गयी है। प्रखंड समन्वयक मो. इमरोज ने यह भी बताया कि आंगनबाड़ी को उच्च्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे खेल आधारित गतिविधियों का संचालन के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनबाड़ी सेविका के साथ-साथ आंगनबाड़ी केंद्र में बदलने की दिशा में पहले कदम के रूप में यह अभियान चलाया गया है। आंगनबाड़ी केंद्र पर आने वाले बच्चों को कौशल के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सुनिश्चित करेंगे, ताकि समावेशी स्कूल पूर्व शिक्षा मजबूत बच्चों में हो सके एवं बच्चा उत्सुकता तरीके से शिक्षा ग्रहण करें।

इस अवसर पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, बीसीएम शारदा कुमारी, महिला पर्यवेक्षिका सह प्रशिक्षण प्रशिक्षक कृष्णा कुमारी, लीला कुमारी, इंदिरा कुमारी, रजनी कुमारी, डेजी गाँधी, कुमारी रश्मि, रीना भारती, कार्यपालक सहायक तुषार रंजन, लिपिक बालमुकुंद सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

सैकड़ों परिवारों के लिए मददगार साबित हो रही मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना : डीसी प्रीति

संजना भारती संवाददाता

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना ने विशेष रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों को बड़ी राहत दी है। यह योजना विशेष रूप से अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए बनाई गई है। इस योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान करके सरकार ने विवाह के समय परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कम करने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का मुख्य उद्देश्य उन परिवारों को सहायता देना है जो अपनी बेटियों की शादी के लिए आवश्यक धनराशि जुटाने में सक्षम नहीं होते। उन्होंने कहा कि यह योजना ऐसे परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है, जहां शादी के खर्च को उठाना मुश्किल होता है।

डीसी प्रीति ने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न वर्गों के लिए अनुदान राशि निर्धारित की गई है। अनुसूचित जाति और विमुक्त जाति के लाभार्थियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 71,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। पिछड़े वर्ग और सामान्य वर्ग के लाभार्थियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 41,000 रुपये का अनुदान दिया जाता है। इसके साथ ही, विधवा, अनाथ, तलाकशुदा, बेसहारा महिलाएं और उनके बच्चों के लिए भी 51,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। योजना के तहत महिला खिलाड़ियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) के विवाह पर भी 41,000 रुपये की मदद दी जाती है। यदि विवाह में दोनों वर-वधू दिव्यांग हैं, तो उन्हें 51,000 रुपये की अनुदान राशि मिलती है, जबकि अगर केवल एक वर या वधू दिव्यांग है, तो 41,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

डीसी ने यह भी बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदकों को अपनी बेटी के विवाह के छह माह के भीतर विवाह पंजीकरण कराना अनिवार्य है। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया को बहुत सरल और सुगम बनाया गया है, ताकि पात्र व्यक्ति आसानी से लाभ उठा सकें। आवेदक shadi.edisha.gov.in पोर्टल पर जाकर विवाह पंजीकरण और मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

नारायण सेवा संस्थान का निशुल्क शिविर

सामाजिक कार्यकर्ता ग्रुप ऑफ चंडीगढ़ पुलिस को सिल्वर मेडल से नवाजा गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चण्डीगढ़। नारायण सेवा संस्थान का नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर चंडीगढ़ के कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 49 में आयोजित हुआ। शिविर का उद्देश्य शारीरिक रूप से असमर्थ लोगों को न केवल चलने-फिरने में सक्षम बनाना था, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना भी जाग्रत करना था। कृत्रिम अंग लगने के बाद दिव्यांगों के चेहरे पर मुस्कान और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया।

शिविर में चण्डीगढ़ सहित पंजाब, हरियाणा, हिमाचल के दूरस्थ क्षेत्रों के तीन सौ ज्यादा दिव्यांगों को अपर-लोवर व मल्टीपल कृत्रिम अंग और केलिपर्स लगाए गए। इसके मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, अध्यक्षता बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं हिमाचल प्रदेश के प्रभारी संजय टंडन और विशिष्ट अतिथि चंडीगढ़ बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष शिप्रा बंसल, संरक्षक महेश अग्रवाल,अर्जुन कंबोज, स्थानीय पार्षद राजिंदर शर्मा, समाज सेवी पिंकी मेहता मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि मंत्री बेदी ने कहा "दिव्यांगों की सेवा करना न केवल एक पुण्य कार्य है, बल्कि यह समाज और देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों को सशक्त ही नहीं कर रहा बल्कि उनके खोये हुए आत्मविश्वास और निराशा को दूर करने का काम कर रहा है। यह समाज के लिए उपयोगी कार्य है। ऐसी सोच और भावना से ही विश्व एक परिवार का सपना साकार हो सकेगा। उन्होंने संस्थान को हर तरह से मदद का भरोसा दिया। साथ ही संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल की सेवा साधना की प्रशंसा की। वहीं शिविर से लाभांवित होकर अपने पैरों पर चलते हुए नई जिंदगी शुरू करने वाले दिव्यांगजनों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने हरियाणा में भव्य शिविर सरकार की और से आयोजित करने की घोषणा की।

अध्यक्षता कर रहे संजय टंडन ने संबोधित करते हुए कहा यह पहल समाज के उन वर्गों के लिए है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या किसी दुर्घटना में अपंग हो गए हैं। उन्होंने कहा, हम सबका लक्ष्य दिव्यांगजनों को नया जीवन और आत्मनिर्भरता देना है। संस्थान के लिए हमारे द्वार हमेशा खुले रहेंगे। विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष शिप्रा बंसल ने कहा दिव्यांगों के सशक्तिकरण की सेवा को करीब से जानकर बहुत ही अभीभुत हूँ।

शिविर की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर हुई। अतिथियों ने विजिट किया, रोगियों से उनकी आपबीती सुनी और डॉक्टर से फिटमेंट की प्रक्रिया जानी। लाभांवित दिव्यांगों को ट्रेनिंग दी गई, बेटबोल और फुटबाल भी खेल खेले। शुरू में नारायण सेवा संस्थान के ट्रस्टी चौबिसा, निदेशक भगवान प्रसाद गौड़, संयोजक रोहित तिवारी ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया। साथ ही संस्थान द्वारा 7 समाजसेवी जन को विभिन्न सेवा अवार्ड से सम्मानित किया गया।

ट्रस्टी चौबिसा ने कहा दिव्यांगजनों को उनके घरों के पास ही मदद पहुँचाने के लिए 2 मार्च को चण्डीगढ़ में कैंप लगाया था। जिसमें 500 से ज्यादा रोगी आये उनमें से 300 दिव्यांगों को नारायण लिंब व केलिपर्स के लिए चयनित किया। जिन्हें आज नई जिंदगी का उपहार मिल रहा हैं। समारोह में कृत्रिम अंग पहनकर दिव्यांगों ने परेड की। दिव्यांगों को संस्थान डॉक्टर्स ने चलने की ट्रेनिंग देने के साथ लिम्ब के रखरखाव की जानकारी भी दी। शिविर प्रभारी रमेश शर्मा ने दिव्यांगों की समझाईश की।

पंजाब में शिक्षा क्रांति: आप के नेतृत्व में सरकारी स्कूलों के रिकॉर्ड परिणाम: शानदार नतीजे: मुख्यमंत्री मान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में 10वीं और 12वीं कक्षा के शानदार नतीजे दर्शाते हैं कि राज्य 'रंगला पंजाब' बनने की ओर बढ़ रहा है, जिसमें नौजवान निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

यहां अपने सरकारी निवास पर 10वीं और 12वीं कक्षा में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में पहले ही क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं, जिससे मनचाहे नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों की पास प्रतिशतता 96.09 फीसदी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शहरी स्कूलों में भी पास प्रतिशतता लगभग 94% रही है जो कि बेमिसाल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि राज्य के कुल 3840 हाई सेकेंडरी स्कूलों में से लगभग 1000 स्कूलों का नतीजा 100 फीसदी रहा है। उन्होंने कहा कि यह नया पंजाब है क्योंकि पड़ोसी राज्य हरियाणा के 12 स्कूलों के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में बुरी तरह फेल हुए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में शिक्षा क्रांति का ऐसा प्रभाव है कि बोर्ड परीक्षाओं में ज्यादातर टॉपर छोटे और दूर-दराज के गांवों से हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले 26 विद्यार्थी उभरते खिलाड़ी भी हैं, जो शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नतीजे में विद्यार्थियों में सख्त मुकाबला देखने को मिला है क्योंकि तीन विद्यार्थियों ने बराबर अंक प्राप्त किए हैं और अमृतसर जिला सबसे बेहतर नतीजे के साथ नेतृत्व कर रहा है। इन होशियार विद्यार्थियों के माता-पिता और अध्यापकों का धन्यवाद करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि अध्यापक पर्दे के पीछे के नायक हैं जिनकी सख्त मेहनत, लगन और सफलता उनकी शानदार उपलब्धियों के माध्यम से सिद्ध होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नतीजों में लड़कियों ने एक बार फिर लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पंजाब के हर कोने में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की रोशनी फैलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे ठोस प्रयासों का नतीजा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे बड़े प्रयासों से लड़कियों को बहुत लाभ मिला है जिससे उनके सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले इन होनहार विद्यार्थियों को बधाई देते हुए सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लड़कियां अपनी मेहनत और लगन से बुलंदियों को छूने के योग्य हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थी, उनके माता-पिता और अध्यापक प्रशंसा के हकदार हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये छात्राएं अन्य विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल बनेंगी और उच्च शिक्षा प्राप्त करके शिक्षा के क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए प्रेरित करेंगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों खासकर लड़कियों को स्कूली शिक्षा का सबसे अच्छा माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे अपने जीवन में सफल हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब एक अग्रणी राज्य था और यह हमेशा अग्रणी रहेगा क्योंकि पंजाबियों को कड़ी मेहनत करने का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपना कर्तव्य बहुत जिम्मेदारी और उत्साह के साथ निभा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजाब हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे अगले चुनावों के लिए चिंतित नहीं हैं बल्कि वे अगली पीढ़ी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं, जिसके कारण कई बड़ी पहलें की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब दुनिया भर में एकमात्र ऐसा राज्य है जिसकी पूरी दुनिया में फ्रेंचाइजी है क्योंकि हर दूसरे देश में पंजाबियों का प्रभाव है।

सूर्यकला रामजी फाउंडेशन ने किया नि :शुल्क पुस्तक वितरण

एसबी ब्यूरो

तेघड़ा। जिले में नित्य नए नए सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने वाली संस्था सूर्यकला रामजी फाउंडेशन ने संस्था के तेघड़ा शाखा कार्यालय पर शनिवार को बारह सौ बच्चों के बीच पांच हजार नई पुस्तकें बिल्कुल निःशुल्क वितरण किया। जिसके बाद बच्चों में काफी खुशी देखी गई।संस्था के सक्रिय सदस्य गोपाल सिंह और दीपक सिंह ने बताया कि हमारी संस्था के द्वारा हर साल हजारों बच्चों के बीच पाठ्य पुस्तक का वितरण किया जाता है। ताकि बच्चों का हौंसला बढ़ा रहे और कुछ जरूरतमंद बच्चों को पैसे की वजह से किताब खरीदने में आ रही दिक्कत से थोड़ा राहत मिल सके।

वहीं संस्था सदस्य शुभम कुमार ने बताया कि हमारी संस्था का आज का ये पुस्तक वितरण कार्यक्रम कई मायनों में महत्वपूर्ण है और बच्चों में खुशी के साथ स्थानीय लोगों ने इस पहल की काफी तारीफ की।

मौके पर संस्था सदस्यों में सचिव शैलेन्द्र कुमार सिंह, सदस्य संजीव कुमार, राजा श्रीवास्तव, अंकज कुमार, विजय कुमार, विष्णु शांडिल्य, रौशन झा, मंतोष कुमार, चंदन चौधरी उपस्थित थे और पुस्तक वितरण कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाते हुए सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

हाटी समुदाय की पहचान और अधिकारों की बहाली पर राज्यसभा सांसद से मिला प्रतिनिधिमंडल

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के गिरिपार क्षेत्र के हाटी समुदाय का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल चंडीगढ़ प्रदेश के हाटी समिति अध्यक्ष, एडवोकेट सुरेंद्र ठाकुर की अध्यक्षता में, राज्यसभा सांसद सरदार सतनाम सिंह संधू से उनके चंडीगढ़ स्थित आवास पर मिला। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हाटी समुदाय को 9 अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने के बावजूद आ रही बाधाओं और उनकी ऐतिहासिक पहचान की बहाली से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना था।

प्रतिनिधिमंडल ने सांसद संधू को अवगत कराया कि केंद्र सरकार द्वारा हाटी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने और इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाने के बावजूद, कुछ कानूनी चुनौतियों के कारण समुदाय को अभी तक इसका पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा है। विशेष रूप से, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा इस कानून के अमल पर लगाई गई रोक से समुदाय में अनिश्चितता का माहौल है।

सांसद सरदार सतनाम सिंह संधू ने हाटी प्रतिनिधिमंडल की सभी चिंताओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने समुदाय को आश्वस्त किया कि वे हाटी समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा और उनकी पहचान की बहाली के लिए संसद में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे।

संधू ने हर संभव प्रयास करने का वादा किया ताकि गिरिपार क्षेत्र के हाटी समुदाय को उनके संवैधानिक अधिकार और लाभ पूरी तरह से मिल सकें। उन्होंने कहा कि वे इस संवेदनशील मामले में केंद्र सरकार और संबंधित राज्य अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय स्थापित करेंगे।

हाटी समुदाय लंबे समय से अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक-आर्थिक पहचान के आधार पर अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग कर रहा है। यह समुदाय अपनी अनूठी 'खुंबली' (पारंपरिक परिषद), वेशभूषा, लोकगीतों और भाषा के लिए जाना जाता है, जो इसे हिमाचल के अन्य समुदायों से अलग करती है।

इस अवसर पर हाटी समुदाय के कई प्रमुख सदस्य राजेश राजपूत उपाध्यक्ष, सचिव रजत चौहान, कोषाध्यक्ष आदित्य चौहान, अधिवक्ता अनुज चौहान गौरव रापटा नागेंद्र सिंह एवं सीमा ठाकुर बृजेश सदस्यगण आदि भी उपस्थित रहे।

मंसूरचक पीएचसी में कुव्यवस्था के खिलाफ धरना प्रदर्शन

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। मंसूरचक प्रखंड क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मंसूरचक में विधि व्यवस्था में गड़बड़ी को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग व क्षेत्रीय लोगों ने स्वास्थ्य केंद्र मंसूरचक पर धरना प्रदर्शन किया। इस धरना प्रदर्शन का नेतृत्व समाजसेवी आलोक मिश्रा व अध्यक्षता कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर महतो ने किया।

उक्त मौके पर आलोक मिश्रा ने कहा कि मंसूरचक पीएचसी में कुव्यवस्थायों का अंबार लगा हुआ है। वहीं बालेश्वर महतो ने कहा कि इस डबल इंजन की सरकार में अफसरशाही हावी है। जो अपने कारनामों पर पर्दा डालने के लिए अब झूठा मुकदमा भी कराने लगे हैं। लेकिन हमलोग इससे न तो डरने वाले हैं। और न ही झूकने वाले हैं। धरना प्रदर्शन के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सुभाष कुमार को आवेदन सौंपा गया।

उक्त मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमीनउद्दीन, मंसूरचक मुखिया संघ के अध्यक्ष इजहार अंसारी, मुखिया दिनेश कुमार राय, मुखिया राममूर्ति चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि सह जिला महासचिव राजद अरमान कुरैशी, गणपतौल के मुखिया हीरा कुमारी, पूर्व उप मुखिया मो. जावेद, कल्याणी महतो आदि मौजूद थे। धरना प्रदर्शन के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सुभाष कुमार के द्वारा संतोष जनक आश्वासन दिए जाने पर धरना को समाप्त किया गया।

धरना स्थल पर मंसूरचक की पुलिस मौजूद थी। वहीं चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार व स्वास्थ्य प्रबंधक सौरव सुमन से उक्त घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उन्होंने कहा कि मुझपर लगा आरोप बेबुनियाद है।

कृष्ण चंद्र फन और शख्सियत विषय पर सेमिनार सम्पन्न

एसबी ब्यूरो प्रमुख इन्तजार हुसैन

बदायूं। शहर के कादिरी दरगाह रोड, हकीम गंज में स्थित बैंक्वेट हॉल में उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा प्रायोजित एवं सिदरा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में हिंदी और उर्दू साहित्य के प्रख्यात कथाकार और उपन्यासकार कृष्ण चंद्र के साहित्यिक जीवन और व्यक्तित्व पर केन्द्रित एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय था कृष्ण चंद्रः फन और शख्सियत।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी इशरत अली उर्फ चुन्ना मियां थे, जिन्होंने कृष्ण चंद्र की साहित्यिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए उन्हें मानवता का सच्चा पक्षधर बताया। उन्होंने कहा कि कृष्ण चंद्र ने अपने लेखन के माध्यम से समाज के हाशिये पर खड़े लोगों की पीड़ा को स्वर दिया।

सेमिनार की अध्यक्षता राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर मेराज उल हसन ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कृष्ण चंद्र की कहानियों की संवेदनशीलता, प्रतीकात्मकता और भाषा की सहजता को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि कृष्ण चंद्र का साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना अपने समय में था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रबाब अंजुम ने कुशलतापूर्वक किया। उन्होंने वक्ताओं का परिचय देते हुए कृष्ण चंद्र की साहित्यिक धारा की विविधताओं पर भी संक्षिप्त टिप्पणी की।

अंत में अध्यक्ष की ओर से सभी आगंतुकों और सहभागियों का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम ने साहित्यिक विमर्श की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में अर्जुन कुमार, फारूख अली, इमरान खान, तंजील खान, ह्यूमन आजाद, हम्माद खान, राशिद सुल्तानी, अमान खान आदि उपस्थित रहे।

पंजाब पुलिस द्वारा अंतरराष्ट्रीय नारको तस्करी गिरोह का पर्दाफाश; 10.2 किलोग्राम हेरोइन सहित 3 काबू

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई नशा विरोधी अभियान 'युद्ध नशों विरुद्ध' के दौरान, सीमा पार नशा तस्करी पर ठोस प्रहार करते हुए, कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर ने अंतरराष्ट्रीय नारको तस्करी गिरोह के तीन गुर्गों को 10.2 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार कर उसका पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की पहचान आकाशदीप सिंह (22) और आकाश उर्फ मोटा (19), दोनों निवासी चीमा कलां, तरनतारन और संदीप सिंह (30), निवासी कोटली वसावां सिंह, तरनतारन के रूप में हुई है। हेरोइन की बरामदगी के अलावा, पुलिस टीमों ने उनकी दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं जिनका प्रयोग हेरोइन की डिलीवरी के लिए किया जा रहा था। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी आकाशदीप सिंह और संदीप सिंह पिछले 6 सालों से पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तानी तस्कर सरहद पार हेरोइन की खेप पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे थे और इस खेप को आगे बेचने के लिए विभिन्न स्थानों पर डिलीवर किया जाता था। डीजीपी ने बताया कि इस नेटवर्क में अगले पिछले संबंधों का पता लगाने के लिये और जांच जारी है।

इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए, कमिश्नर ऑफ पुलिस अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि भरोसेमंद सूत्रों पर कार्रवाई करते हुए, डीसीपी डिटेक्टिव रविंदरपाल सिंह, एडीसीपी डिटेक्टिव जगबिंदर सिंह और एसीपी डिटेक्टिव हरमिंदर सिंह संधू की निगरानी में, और इंस्पेक्टर सीआईए स्टाफ-1 अमोलकदीप सिंह की अगुवाई में एक टीम ने आरोपी आकाशदीप सिंह और आकाश उर्फ मोटा को गुरुद्वारा बोहड़ी साहिब रोड से 1.01 किलोग्राम हेरोइन और एक मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से की गई पूछताछ के आधार पर, पुलिस टीमों ने उनके साथी संदीप सिंह को झबाल रोड से 9.2 किलोग्राम हेरोइन और मोटरसाइकिल समेत पकड़ लिया है।

सीपी ने बताया कि संदीप 2018-19 से हेरोइन की सप्लाई कर रहा था और शक है कि उसने अब तक 200 किलोग्राम से अधिक हेरोइन तस्करी की है। उन्होंने कहा कि आरोपियों से पूछताछ कर और उनके पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस रिमांड हासिल किया गया है।

हरियाणा 'सुपर 100' प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम घोषित

हरियाणा सरकार व विकल्प फाउंडेशन द्वारा संचालित 'सुपर 100' स्कीम सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के दिव्य स्वप्न साकार कर रही है: बलबीर कश्यप

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आशीर्वाद से प्रदेश के सरकारी स्कूल के विद्यार्थी अपना भविष्य संवार रहे हैं। दसवीं के विद्यार्थियों की लेवल-2 की "सुपर 100" प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। प्रदेश सरकार व विकल्प फाउंडेशन कुरुक्षेत्र द्वारा संचालित "सुपर 100" स्कीम सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के दिव्य स्वप्न साकार कर रही है। बलबीर कश्यप खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड संसाधन संयोजक राजौंद ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया की शिक्षा विभाग हरियाणा और विकल्प फाउंडेशन ट्रस्ट कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वाधान में चल रही अद्भुत, अनोखी और प्रभावी "सुपर 100" लेवल 2 की परीक्षा का परिणाम घोषित होने पर सरकारी स्कूल के सफल विद्यार्थियों में खुशी की लहर है। डायरेक्टरेट शिक्षा विभाग हरियाणा ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र के माध्यम से दिशा निर्देश दिए कि वह अपने-अपने जिलों में "सुपर 100" लेवल 2 की परीक्षा का परिणाम घोषित करें। "सुपर 100" लेवल 2 की परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया है। राज्य स्तर पर कुल 401 विद्यार्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया है। अंबाला 10, भिवानी 29, चरखी दादरी 8, फरीदाबाद 15, फतेहाबाद 33, गुरुग्राम 27, हिसार 42, झज्जर 7, जींद 42, कैथल 29, करनाल 12, कुरुक्षेत्र 12, महेंद्रगढ़ 13, न्यू मेवात 3, पलवल 3, पंचकूला 9, पानीपत 18, रेवाड़ी 11, रोहतक 12, सिरसा 31, सोनीपत 14, यमुनानगर 16 है। सबसे ज्यादा 42 की संख्या के साथ हिसार और जींद प्रथम

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी

स्थान पर, 34 की संख्या के साथ भिवानी दूसरे नंबर पर और 33 की संख्या के साथ फतेहाबाद तीसरे नंबर पर रहा। 29 की संख्या के साथ कैथल चौथे स्थान पर रहा।

उन्होंने बताया कि कैथल जिले में कुल 29 विद्यार्थियों ने सुपर सौ में जगह बनाई है। इसमें ब्लॉक अनुसारः कैथल 9 के साथ प्रथम स्थान पर, पुंडरी 7 के साथ दूसरे स्थान पर, राजौंद और कलायत 6 के साथ तीसरे स्थान पर और सीवन 1 के साथ चौथे पायदान पर रहा।

खंड राजौंद से मयंक पुत्र रामफल शर्मा, निशु पुत्री बसाऊ राम,

विनय पुत्र राजेश कुमार, विनीत कुमार पुत्र दलबीर सिंह, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजौंद, मिलन पुत्री बलजिंदर, मोहित पुत्र राधेश्याम, आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सौंगरी से शॉर्ट लिट हुए है।

अन्य ब्लॉक के शॉर्ट लिस्ट विद्यार्थी में

सीवन ब्लॉक से वंदना पुत्री ओमप्रकाश,

पूंडरी ब्लॉक से आर्यन पुत्र कृष्ण कुमार, खुशी पुत्री कपिल देव, लवीश गर्ग पुत्र नवीन कुमार, मनप्रीत कौर पुत्री हरदीप सिंह, मनु पुत्री महिपाल, समीर पुत्र मोहन लाल, तनु पुत्री सोहन लाल कैथल ब्लॉक से आशा गिल पुत्री महावीर सिंह, भावना पुत्री कृष्ण कुमार, दीपांशु पुत्र रोशन लाल, कृष पुत्र जग्गा राम, मुस्कान पुत्री जोगिंदर, नेहा पुत्री विनोद कुमार, शोभा पुत्री मिंदर, वंदना पुत्री राजेंद्र कुमार, वंशिका पुत्री बलदेव शामिल है।

कलायत ब्लॉक से धर्मेंद्र पुत्र कृष्ण कुमार, ध्रुव पुत्र ललित कुमार, महक पुत्री सुरेंद्र कुमार,

प्रांजल सहारण पुत्री राजेश कुमार, राम मेहर पुत्र सिंघारा राम, उमंग पुत्री

'सुपर 100' योजना शुरू करने वाले तात्कालिक मुख्यमंत्री हरियाणा मनोहर लाल

जसविंदर शामिल है। इस सम्बन्ध में बलबीर कश्यप खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड संसाधन संयोजक राजौंद ने सभी शॉर्टलिस्ट बच्चों, उनके माता पिता और

शिक्षा मंत्री हरियाणा महीपाल सिंह ढांडा

अभिभावकों को बहुत बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि दो साल की मिशन बुनियाद के तहत इस सभी बच्चों ने जी तोड़ मेहनत की है जिसका फल आज इनको मिला है। इस से सभी बच्चों और माता पिता अभिभावकों का मोरल भी काफी उच्च कोटि का होगा। क्योंकि आज इस बच्चों ने वो मुकाम हासिल किया है जो आगे चलकर इनके लिए राम बाण सभी होगा। यही बच्चे आगे चलकर दो साल बाद जब सुपर 100 से निकल कर देश दुनिया के नामी गिरामी शिक्षण संस्थानों में अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखकर डॉक्टर, इंजीनियर, साइंटिस्ट, सेना ऑफिसर बनकर अपना, अपने माता पिता और अभिभावकों के साथ साथ अपने गांव, कस्बों, शहरों, ब्लॉक, जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे। आज इन बच्चों ने दिखा दिया कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है अगर एक बार ठान किया जाए तो जीत निश्चित है। आज इन बच्चों ने उस बुलंदियों को भी छुआ है जिनके लिए इन्होंने अपने मन में संजोए रखा था।

जिस प्रकार से सुपर 100 के माध्यम से इससे पहले भी हरियाणा के होनहार एवं मेधावी बच्चों में देश के उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थानों में जाकर अपना भविष्य संवार रहे है। एक दिन ये सभी बच्चें ऊंची उड़ान भर कर देश सेवा में समर्पित होंगे। इन विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय सभी बच्चों की हार्ड कोर मेहनत के साथ साथ सभी माता पिता, स्कूल प्रिंसिपल, शिक्षकों को भी जाता है। जिन्होंने इन बच्चों को आगे बढ़ाने में पूर्ण सहयोग दिया।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह कश्यप ने मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, शिक्षा विभाग हरियाणा के एसीएस, डॉयरेक्टर और सभी उच्च अधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारी कैथल रामदिया गागट, विकल्प फाउंडेशन के संस्थापक नवीन मिश्रा, डायरेक्टर प्रदीप सेंसरवाल, विकल्प

नवीन मिश्रा डायरेक्टर 'सुपर 100'

फाउंडेशन की समस्त टीम, सुरेश कैंदल उप जिला शिक्षा अधिकारी कैथल, सुरेंद्र हुडा, उप जिला शिक्षा अधिकारी कैथल

ब्लाक शिक्षा अधिकारी राजौंद बलबीर सिंह कश्यप

जिला, नोडल अधिकारी अनिल तंवर, विकल्प फाउंडेशन की नोडल अधिकारी पूजा ढुल, समस्त खंड अधिकारियों, कैथल से डॉक्टर नरेश कुमार, कलायत से सुरेश सिंगला, पुंडरी से नर सिंह, गुहला से सुखविंदर, सीवन से सुदर्शन शर्मा, राजौंद से बलबीर कश्यप, समस्त खंडों के स्कूल मुखिया, बुनियाद सेंटर के स्कूल मुखिया, बुनियाद सेंटर के कॉर्डिनेटर, सभी शिक्षक स्टाफ का भी हार्दिक आभार प्रकट किया है। जिनके उचित मार्गदर्शन और दिशा निर्देश अनुसार यह संभव हो पाया। बताया गया कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी ही इस योजना का हिस्सा हो सकते है। जो मिशन बुनियाद के अंतर्गत या हरियाणा के सरकारी स्कूल से अपनी कक्षा नौवीं और दसवीं करके आते है।

हरियाणा शिक्षा विभाग और विकल्प फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में चल रही मिशन बुनियाद और सुपर 100 जैसी योजनाओं का प्रचार प्रसार इतना हो चुका है कि अब माता पिता और बच्चे स्वयं ही इस और आकर्षित हो रहे है और रुचि ले रहे है। अब मिशन बुनियाद और सुपर 100 ग्रामीण आंचल के बच्चों की पहुंच में है। जिसका फायदा सैकड़ों बच्चे हर साल उठा रहे है।

सुपर सौ योजना की शुरूआत हरियाणा के तात्कालिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शुरू की थी। वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योजना को जारी रखा व मिशन बुनियाद को इस में जोडा है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा का आशीर्वाद सुपर सौ योजना को मिल रहा है। सुपर सौ डायरेक्टर व उनकी टीम एक तपस्वी की भांति योजना को आगे बढ़ा रहे हैं।

शिक्षा विभाग हरियाणा के सहयोग से हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब व मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चें अपने स्वप्नों को साकार करते हुए आकाश की उंचाई और गहराई नापने के लिए नित नई उड़ान भर रहे हैं।

हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा एडमिशन प्रोसेस की रूपरेखा भी तैयार करके सभी जिला शिक्षा अधिकारियों की भेज दी गई है जिसकी तारीख 25 मई 2025, समय 10 बजे प्रात: निर्धारित किया गया है।

- यह प्रक्रिया कुरुक्षेत्र से ढांड-पूंडरी मार्ग पर स्थित 'सुपर 100' कैंपस, निकट गांव बारना, जिला कुरुक्षेत्र में की जाएगी।
- सभी विद्यार्थी अपने माता-पिता या अभिभावकों के साथ आयेंगे।
- सभी विद्यार्थी एडमिशन के समय अपने आधार कार्ड की दो फोटो और ओरिजिनल आधार कार्ड, माता-पिता अभिभावकों के आधार कार्ड की दो फोटो कॉपी
- विद्यार्थी की तीन नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो
- माता पिता और अभिभावकों की दो फोटो,
- कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा पास करने की प्रोविजिनल मार्कशीट,
- सुपर 100 लेवल 2 की परीक्षा क्वालीफाई या पास करने का सर्टिफिकेट की रंगीन कॉपी
- सुपर 100 लेवल 2 की परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को दिए गए आईडेंटिटी कार्ड
- स्कूल छोड़ने का ओरिजिनल सर्टिफिकेट, कैटेगरी सर्टिफिकेट की दो कॉपी
- 01 अप्रैल 2025 वाले दिन या बाद के अनुसार ओरिजिनल फैमिली आई डी और दो फोटो कॉपी, बैंक पासबुक की फोटोकॉपी जिसमें अकाउंट नंबर साफ दिखाई दे
- विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल में रुकने के लिए जरूरी सामान जो कि सभी विद्यार्थियों को लाना जरूरी है।
- दो जोड़ी ड्रेस यानी पेयर्स ऑफ क्लॉथ्स साबुन, टूथपेस्ट, टूथब्रश, टॉवल, शूज, स्लीपर्स, बकेट और मग, एक प्लेट, ग्लास, स्पून, दो कटोरी (टू बॉल्स), वाटर बॉटल्स दो बेड शीट, एक तकिया, दो तकिए के कवर, 3 चाबियों वाला एक ताला, नोटबुक, पेन, पेंसिल, एरेजर आदि सामान साथ लेकर आएं।
- एडमिशन प्रोसेस से संबंधित अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 7206758089 पर संपर्क कर सकते है।

बहादुर सेना और देश के मजबूत नेतृत्व के कारण हुआ आतंकवाद का सफाया: हरविन्द्र कल्याण

भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में घरौंडा में निकाली तिरंगा यात्रा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में तथा आमजन में देश भक्ति व राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से घरौंडा में आज तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों एवं आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यात्रा का नेतृत्व हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष व घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण ने किया। यात्रा रेलवे रोड से शुरू होकर संत शिरोमणि गुरु रविदास चौक, विश्वकर्मा चौक से होती हुई महाराणा प्रताप चौक जी.टी. रोड पर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान पुष्प वर्षा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारतीय सेना जिंदाबाद के नारों और देश भक्ति गीतों से शहर गूंज उठा।

यात्रा के दौरान अपने संबोधन में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष व घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। मात्र 3 दिनों के भीतर भारतीय सेना ने पाकिस्तान को तहस-नहस कर दिया और यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत न केवल अपनी रक्षा करना जानता है, बल्कि अपनी आस्था पर हमला करने वालों को भी करारा जवाब देना जानता है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में तिरंगा यात्रा पूरे देश में निकाली

जा रही है। यह यात्रा हर नागरिक में राष्ट्रीय भक्ति की भावना को बढ़ा रही है और राष्ट्रीय भक्ति के जज्बे को प्रदर्शित कर रही है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने आतंकवाद और उसका समर्थन करने वाले पाकिस्तान को प्रभावी ढंग से जवाब दिया है, और यह साबित किया है कि देश की एकता और अखंडता पर हमला करने या भारत के विकास को रोकने का प्रयास करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। श्री कल्याण ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना हमले ने हर भारतीय को हिला कर रख दिया, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया और उनकी निर्मम हत्या की गई, जिसकी पूरी दुनिया ने निंदा की। जिसके बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बयान दिया कि इस हरकत को करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

श्री कल्याण ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की महिला अधिकारियों ने आतंकवाद को करारा जवाब दिया और दुनिया को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारी बेटियों का सिंदूर उजड़ा था, उसी प्रकार ऑपरेशन सिंदूर ने 3 दिनों में पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तहस-नहस करके बहादुरी का परिचय दिया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व को दिया, जिन्होंने सेना को कार्रवाई के लिए पूरी स्वतंत्रता दी।

जिले में वैध 11 नशा मुक्ति केंद्र: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति कैथल ने बताया कि जिले में 11 वैध नशा मुक्ति संचालित किए जा रहे हैं। इनमें दो सरकारी व नौ प्राइवेट केंद्र शामिल हैं। इनके अलावा अगर कोई अन्य नशा मुक्ति संचालित किया जा रहा है, तो वह अवैध माना जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे केंद्रों पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी, ताकि लोगों को सुरक्षित एवं प्रभावी ईलाज मिल सके। आमजन भी अवैध रूप से चल रहे नशा मुक्ति केंद्रों की सूचना डा. नवराज सिंह (9992473022) तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी (7027539020) को दे सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा नशीली दवाइओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूक करने के लिए स्कूल, कालेज तथा ग्राम पंचायतों में अभियान चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वैध नशा मुक्ति केंद्रों की सूची जारी करते हुए बताया कि जिला में सरकारी तौर पर नशा मुक्ति एवं परामर्श केंद्र सामान्य अस्पताल कैथल व गुहला उपमंडल अस्पताल में है। इसके अलावा गैर सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में अग्रवाल मनोरोग एवं नशा मुक्ति केंद्र नजदीकी कारपोरेशन बैंक चीका, गांव अजीमगढ़ में अरदास अस्पताल में, श्री

गुरू नानक चेतना फाउंडेशन ट्रस्ट परामर्श-कम-पुनर्वास केंद्र वार्ड नंबर 15 गुहला, ब्राइट फ्यूचर जन कल्याण ट्रस्ट परामर्श-कम-पुनर्वास केंद्र वार्ड नंबर 12 चीका, नई किरण अस्पताल कैथल, समर्थ नशा मुक्ति केंद्र अजीमगढ़, निर्वाण मनोरोग अस्पताल चीका, मनो आधार नशा मुक्ति केंद्र अजीमगढ़, दीपक नशा मुक्ति केंद्र चीका में शामिल है।

डीसी ने आमजन का आह्वान किया कि नशा एक बुराई है, जिससे वह स्वयं ही पीड़ित नहीं होता, बल्कि पूरे परिवार पर प्रभाव पड़ता है। नशे को दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ छोड़ा जा सकता है। जो भी व्यक्ति नशा से मुक्ति पाना चाहता है, वह उपरोक्त नशा मुक्ति केंद्रों में जाकर डॉक्टर की सलाह से इसे छोड़ सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता तथा देशभक्ति व राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के लिए इन्द्री में निकाली गई तिरंगा यात्रा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता तथा देशभक्ति व राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के लिए इन्द्री में आज तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस तिरंगा यात्रा में हजारों की संख्या में आए लोगों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित करके देश के जवानों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करने का काम किया। सिंचाई विभाग के विश्राम गृह से निकाली गई इस तिरंगा यात्रा का नेतृत्व विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने किया। यात्रा में शामिल प्रत्येक नागरिक के हाथ में भारत की आन-बान-शान तिरंगा देखने को मिला। इस तिरंगा यात्रा में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व राजनैतिक दलों के कार्यकताओं ने भाग लिया।

विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने देश की बहादुर सेना और मजबूत नेतृत्व को नमन करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के कारण आज देश का हर नागरिक उत्साहित है, खुश है और सुरक्षित महसूस कर रहा है। विधायक ने यात्रा में शामिल लोगों का आभार जताते हुए कहा कि दुनिया के इतिहास में ऐसा कोई युद्ध नहीं हुआ है जिसमें दुश्मन ने तीन दिन के भीतर ही घुटने टेक दिए हों। इसलिए हमें अपने देश के वीर सैनिकों पर गर्व है। आतंकवादियों और आतंकवाद को पनाह देने वालों को पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत

की नींव बहुत मजबूत हो चुकी है। उन्होंने आप्रेशन सिंदूर की सफलता पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि आप्रेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने हमारे देश की तीनों सेनाओं के बहादुर सैनिकों की वीरता और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढता को विश्व पटल पर स्थापित करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हमारे बहादुर सिपाहियों ने भारत की ओर बुरी नजर रखने वालों को कड़ा सबक सिखाया है और हमारी एकता, भारत माता की आन-बान के प्रतीक तिरंगे को झुकने नहीं दिया है।

तिरंगा यात्रा को भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीन लाठर ने कहा कि आज हम यहां तिरंगा यात्रा के माध्यम से उन महान सपूतों को नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत देश की रक्षा की और तीन दिनों में ही पाकिस्तान को घुटनों पर लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि वे उन वीर सैनिकों को नमन करते हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भाग लिया। तिरंगा यात्रा में शामिल जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल,भाजपा के वरिष्ठद्द नेतागण रघुबीर बतान, अमित गोयल सहित अन्य भाजपा नेताओं ने भी वीर सैनिकों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी और अपने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठद्द नेता रघुबीर बतान, जगदीश गोयल, महेन्द्र सिंह पंजोखरा, हरियाणा तालाब एवं अपशिष्टद्द जल प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य तेजिन्द्र सिंह तेजी, इन्द्री सरपंच एसोसिएशन के प्रधान प्रताप सिंह सहित काफी संख्या में भाजपा के वरिष्ठद्द नेतागण, कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित शहर व विभिन्न गांवों से आए गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहें।

कलायत में तीन दिवसीय नशा मुक्ति निशुल्क मेडिकल कैंप संपन्न

500 से अधिक लोगों ने लिया परामर्श

जिला ब्यूरो प्रमुख निर्मल कुमार

कैथल। नशा मुक्ति अभियान तहत एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार शनिवार 17 मई को कलायत में पुलिस व शाह अस्पताल कैथल के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय नशा मुक्ति निशुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। जिसमें 500 से अधिक व्यक्तियों ने स्वास्थ्य परामर्श और नशामुक्ति संबंधी सेवाओं का लाभ उठाया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कैंप के दौरान शाह अस्पताल कैथल से डॉक्टर एमएस शाह, डॉक्टर आरिफ अब्दुला व डाक्टर संदीप सहित अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों का निशुल्क परीक्षण किया गया और उन्हें उपचार के लिए उचित मार्गदर्शन दिया गया। इसके अतिरिक्त, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भी रोगियों और उनके परिजनों को परामर्श प्रदान किया ताकि वे नशा छोड़ने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ सकें और उस पर अमल कर सकें। कैंप दौरान थाना कलायत एसएचओ

एसआई जयभगवान, एएसआई ओमप्रकाश व एचसी सुनील की टीम कैंप में आए व्यक्तियों सहित अन्य आमजन को नशे के दुष्प्रभावों बारे बताते हुए नशा ना करने बारे जागरूक कर रही है। इस दौरान डीएसपी ललित कुमार लोगों को प्रेरित किया और कहा की नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह समाज की प्रगति में भी बाधा उत्पन्न करता है। इस तरह के मेडिकल कैंप समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। हम सभी को मिलकर नशा मुक्त समाज की ओर कार्य करना होगा। डीएसपी ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे नशे से दूर रहें और अपने जीवन को एक सकारात्मक दिशा दें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन ऐसे प्रयासों को आगे भी निरंतर सहयोग देता रहेगा।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकताओं और स्वयंसेवी संगठनों ने भी अपनी भागीदारी दर्ज की।

हरियाणा को उसके हक का पानी मिलना चाहिए : शेर प्रताप शेरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। पंजाब-हरियाणा जल विवाद पर हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी ने जारी एक ब्यान में कहा कि हरियाणा को उसके हक का पानी मिलना चाहिए। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में पेयजल प्रबंधन को लेकर कोई ठोस प्रयास नहीं किया, अगर समय रहते नहरों की साफ सफाई करवा ली गई होती तो प्रदेश को पूरी मात्रा में पानी मिलता। भाजपा सरकार प्रदेश के लोगों को मूलभूत सुविधाएं देने में विफल है। शेरी ने कहा कि हरियाणा सरकार यह तो कहती है कि पंजाब से अपने हिस्से का पानी लेकर रहेंगे, लेकिन प्रदेश की जनता के हित में कदम कुछ नहीं उठा रही है। पंजाब ने हरियाणा के हक का पानी भी रोक दिया है। जिससे प्रदेश में फसलों का नुकसान हो रहा है और प्रदेश के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता ने केंद्र

सरकार से मांग करते हुए कहा कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू किया जाए। किसानों की हालात बद से बदतर हो होती जा रही है। किसानों को फसल का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है। जिस कारण किसानों में रोष है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार किसानों की मांगों की ओर ध्यान दें।

देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए मोदी सरकार ने गंभीरता से किया कार्य : हरविन्द्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि देश की तरक्की का आंकलन अर्थव्यवस्था से होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए गंभीरता से कार्य किया है। टैक्स व जीएसटी के नियमों का सरलीकरण करके बड़े बदलाव किए हैं जिससे व्यापारी वर्ग के साथ-साथ आम लोगों को भी बड़ी राहत मिली है। हरविन्द्र कल्याण जिला कर बार एसोसिएशन करनाल और हरियाणा टैक्स बार एसोसिएशन के द्वारा जीएसटी व आयकर पर कर संगम 2025 सेमिनार के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में कार्यशाला का किया आयोजन

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। राजकीय कन्या महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी तथा आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अंतर्गत कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती सुमन आर्या की अध्यक्षता में महाविद्यालय की छात्राओं को आपदा प्रबंधन और प्राथमिक सहायता के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण के लिए बी.आर.एम कॉलेज ऑफ एजुकेशन घरौंडा, करनाल की सहायक प्रोफेसर डॉ. नीना को आमंत्रित किया गया। डॉ. नीना ने छात्राओं को सी.पी.आर देने के तरीके से अवगत कराया। दुर्घटना में चोट लगने पर घायल का प्राथमिक उपचार करने की विधि बतायी और उनका डेमो करके दिखाया। अगर किसी को हाथ या पैर में फ्रेक्चर हो जाए तो घायल को किस तरह हाथों की सहायता से ले जाया जा सकता है, इसका भी डेमो दिया। आपदा प्रबंधन के लिए पुलिस अकादमी मधुबन से राज्य आपदा बचाव फोर्स को बुलाया गया।

इस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने किया। टीम में कुल 9 सदस्य शामिल थे। इंस्पेक्टर संजीव ने आपदा के प्रकारों और उनसे निपटने के तरीको से छात्राओं को बताया। टीम ने बताया कि आग 5 प्रकार की होती है तथा उनसे निपटने के तरीके भी अलग-अलग होते हैं। भूकम्प, आगजनी, मिसाइल अटैक, परमाणु हमले तथा अन्य प्रकार की आपदाओं से बचाव के तरीकों को न केवल बताया गया बल्कि छात्राओं को उनका नाट्य रूपांतरण करके दिखाया। उन्होंने बताया कि किसी भी आपदा से बचने के लिए क्या-क्या प्रबंध किये जा सकते हैं तथा उनसे कैसे खुद को तथा आसपास के लोगों को बचाया जा सकता हैं।

इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. जितेन्द्र कमार ने कहा कि किसी भी आपदा से निपटने के लिए अपने आपको संयमित तथा शांत रखना चाहिए। इस अवसर पर श्रीमती सुदेश रानी, श्रीमती सुमन रानी, सुश्री दीपिका और डॉ. विजय के साथ-साथ गैर शिक्षण स्टाफ भी मौजूद रहा।